परीक्षा अंग्रेजी के पेपर के साथ बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू

पहला पेपर रहा इजी चेहरों पर दिखी मुस्कान

नवभारत, जबलपुर। एमपी बोर्ड बारहवीं कक्षा की परीक्षा की शुरुआत अंग्रेजी के पेपर से हो चुकी है। मंगलवार को बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों का पहला पेपर अंग्रेजी विषय का था। जिसमें सभी परीक्षार्थियों के चेहरे पर परीक्षा केंद्रों से निकलते हुए मुस्कान दिखाई दी। जिसमें परीक्षार्थियों ने बताया कि बहुत ही सरल पेपर आया था, जिसमें उन लोगों ने सभी प्रश्नों के अच्छी तरह से जवाब दिए हैं। इसी प्रकार लोगों ने बताया कि अब दूसरे विषय के पेपर की तैयारी भी वह इसी तरह करेंगे जिससे वह आगे के सभी पेपर इसी तरह अच्छी तरह से दे सकें। सुबह 9 बजे परीक्षा शुरू होने से पहले सभी केंद्रों पर विद्यार्थियों ने अपने अपने रोल नंबर के हिसाब से कमरा नंबर देखा, वहीं केंद्र में सभी विद्यार्थियों की चेकिंग भी गई, जिसके बाद कलेक्टर प्रतिनिधि की उपस्थिति मे ऑनलाइन एप के माध्यम सें निगरानी रखते हुए पेपर हुआ। पुलिस थाने एवं परीक्षा केंद्रों में कलेक्टर प्रतिनिधि एवं केन्द्राध्यक्ष के आपसी समन्वय से सभी कार्य आसानी से शांतिपूर्वक सम्पादित किए गए।

99 केंद्रों पर हुई परीक्षा, 208 छात्र अनुपस्थित

सहायक संचालक जिला शिक्षा अधिकारी आर के बधान से मिली जानकारी के अनुसार जिले के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में मिलाकर 99 केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में बारहवीं कक्षा के कुल 16517 विद्यार्थी परीक्षा देने वाले हैं, लेकिन पहले ही अंग्रेजी विषय के पेपर में 16308 विद्यार्थी ही उपस्थित हुए जबकि 208 विद्यार्थी पेपर में अनुपस्थित थे।

उड़न दस्ते की रही पैनी नज़र

जिले में चल रही बोर्ड परीक्षा को लेकर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा अनुभाग स्तर, जिला स्तर तथा विकासखण्ड स्तर पर निरीक्षण दलों (फ्लाइंग स्क्वाड) का गठन किया है। अनुभाग स्तर पर गठित फ्लाइंग स्क्वाड की कमान संबंधित अनुभाग के एसडीएम को सौंपी गई है। वहीं, जिले में स्थित सभी परीक्षा केंद्रों के आकस्मिक निरीक्षण के लिये जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में जिला स्तरीय निरीक्षण दल का गठन किया है। पहले दिन टीम ने परीक्षा केंद्रों में पहुंचकर आकस्मिक रूप से निरीक्षण किया और संदिग्ध पाए जाने वाले लोगों की जांच भी की। लेकिन कोई भी नकल प्रकरण जिले में सामने नहीं आया है।

इनका कहना है

पहला पेपर अच्छा गया है और आगे भी हम ऐसी तैयारी करके आएंगे,जिससे सभी पेपर इसी तरह से अच्छे जाएं।

वंशिका साहू

पहले पेपर को करने में कोई भी परेशानी नहीं हुई है, पेपर बहुत सरल आया था और हमने पूरा पेपर सॉल्व किया है।

खुशबू काछी

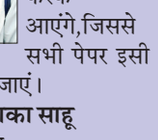

अंग्रेजी का पेपर आज बहुत ही अच्छा आया था और हमने सभी सवालों के जवाब भी दिए हैं।

लकी प्रजापति

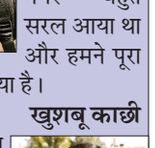

पेपर ज्यादा कठिन नहीं था, हमने अच्छी तैयारी की थी। सभी सवालों के सटीक जवाब लिखकर आए हैं।

मुस्कान ठाकुर

जिनालय वास्तु की दृष्टि से पूरे नगर को ऊर्जा प्राप्त होगी

▶ डीएन जैन बोर्डिंग परिसर में भव्य जिनालय का शिलान्यास

नवभारत,जबलपुर। डी.एन. जैन बोर्डिंग के विशाल परिसर में नवीन एवं भव्य जिनालय के निर्माण का विधिवत शिलान्यास मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। शिलान्यास उपरांत मुनि संघ का मंगल विहार बुढ़ार (म.प्र.) की ओर हुआ। प्रात: प्रवचन सभा में मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने कहा कि डी.एन. जैन बोर्डिंग जबलपुर का प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक केंद्र है। यहां भव्य जिनालय निर्माण की समाज की लंबे समय से भावना थी, जो अब श्रीसिद्धचक्र महामंडल विधान के पुण्य प्रभाव से साकार हुई। मुनि श्री ने मंदिर के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह जिनालय वास्तु की दृष्टि से दक्षिण दिशा में भारी होगा, जिससे इसकी ऊर्जा पूरे नगर को प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि मंदिर पूर्ण होने पर ऐसा प्रतीत होगा मानो 'आसमान में चाँद निकल आया हो।' मुनि श्री ने सिंघई परिवार को आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह उनके पूर्वजों के संस्कारों का परिणाम है कि वे इस पुण्य कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मूल बेदी में सात फुट ऊँची भगवान आदिनाथ स्वामी की मूलनायक प्रतिमा तथा वर्तमान मूलनायक की प्रतिमा विराजमान होगी।

श्वेत संगमरमर से निर्मित जिनालय 25 शिखरों से सुशोभित

मंदिर की संरचना के अनुसार भूतल पर तीन बेदीयाँ तथा प्रथम तल पर एक बेदी एवं चारों ओर चौबीस तीर्थंकरों की चौबीस बेदीयाँ स्थापित होंगी। श्वेत संगमरमर से निर्मित यह जिनालय 25 शिखरों से सुशोभित होगा। मंदिर शिखर निर्माण की जिम्मेदारी छोटेलाल ने ली। श्री आदिनाथ सेवा समिति द्वारा भव्य संतनिवास निर्माण की जिम्मेदारी ली गई, जिसे ट्रस्ट कमेटी ने स्वीकृति प्रदान की। मुनि श्री ने कहा कि यदि मंदिर निर्माण तीन वर्षों में पूर्ण किया गया तो विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुनि श्री संघान सागर महाराज, आर्यिका तपोमति माताजी ससंघ, समस्त क्षुल्लक, बा. ब्र. अशोक भैया, बा. ब्र. अभय भैया उपस्थित रहे। मांगलिक क्रियाएं संपन्न कराई गईं तथा संचालन अमित पड़रिया ने किया।

अश्रुपूरित नेत्रों से दी मुनि संघ को बिदाई

मुनि संघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं सुबोध जैन 'कामरेड' ने बताया कि शिलान्यास की समस्त औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात मुनि संघ का मंगल विहार रांझी की ओर हुआ। श्रद्धालुओं ने अश्रुपूरित नेत्रों से मुनि संघ को विदाई दी। रात्रि विश्राम एवं सायंकालीन शंकासमाधान रांझी में संपन्न होगा। मुनि संघ का लगभग एक माह का जबलपुर प्रवास समाज के लिए स्मरणीय रहा, जिसमें प्रत्येक दिन धार्मिक उत्सव जैसा वातावरण बना रहा।

एक नजर में

शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर बनी ठोस रणनीति

नवभारत,जबलपुर। आदर्श कुशवाहा समाज राँझी-जबलपुर के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में समाज के सर्वांगीण विकास पर गंभीर चर्चा की गई और समाज को सशक्त, शिक्षित एवं स्वस्थ बनाने को लेकर भविष्य की कार्ययोजना तय की गई। बैठक में विशेष रूप से समाज के बच्चों एवं युवाओं को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने और समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में ठोस योजनाओं के माध्यम से समाजहित के कार्यों को धरातल पर उतारा जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष रविंद्र कुशवाहा, उपाध्यक्ष संत कुमार कुशवाहा, सचिव अमित वर्मा, कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुशवाहा, सह सचिव इंद्रपाल कुशवाहा सहित रोहिणी कुशवाहा, लोमश कुशवाहा, गणेश कुशवाहा, राजेश कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, रवेंद्र कुशवाहा, पुष्पराज कुशवाहा एवं कमलेश कुशवाहा उपस्थित रहे।

बिजली कर्मचारियों की समस्याओं पर हुई फेडरेशन की बैठक

नवभारत,जबलपुर। म.प्र. विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर की बैठक कार्यपालन अभियंता शहर संभाग पूर्व कार्यालय में आयोजित हुई। कार्यपालन अभियंता अभिषेक विश्वकर्मा ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाता है तथा कंपनी सुरक्षा व बेहतर कार्य वातावरण को प्राथमिकता देती है। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी.पी. पाठक ने आउटसोर्स कर्मचारियों की शीघ्र नियुक्ति, जोखिम भत्ता, बीमा योजना, मनमानी सेवा समाप्ति पर रोक और निर्धारित तिथि पर वेतन भुगतान की मांग रखी। बैठक में यू.के. पाठक, दिनेश दुबे, अनूप वर्मा, उमाशंकर दुबे, मोहित पटैल, रामचरण पटैल, एस.के. चौधरी, विवेक चैबे, अंकित दुबे उपस्थित रहे। प्रशासन की ओर से नीरज परस्ते, एस.एस. नायक एवं कृष्ण मोहन शामिल हुए।

केस स्टडी डिकोडिंग पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नवभारत, जबलपुर। माता गुजरी महिला महाविद्यालय (स्वशासी), जबलपुर के प्रबंधन विभाग द्वारा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के सहयोग से बीबीए विद्यार्थियों के लिए 'डिकोडिंग केस स्टडीज़' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार पाहवा, प्राचार्य डॉ. संगीता झाम्ब रजिस्ट्रार डॉ. सतेंद्र कुररिया के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर टाइम एजुकेशन के निदेशक अभिषेक अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, जिनका स्वागत डॉ. श्रुति पुंज, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग द्वारा किया गया। अपने संबोधन में अग्रवाल ने केस स्टडी विश्लेषण की तकनीकों, व्यावहारिक दृष्टिकोण तथा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं व कॉर्पोरेट चयन प्रक्रियाओं में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन हर्षिता चौरसिया, सहायक प्राध्यापक के द्वारा किया गया। इस अवसर पर टी.पी.ओ प्रभात केवट, डॉ. पुष्पा रमेश, डॉ. स्मृति खुरसिया, डॉ. संगीता परिहार एवं डॉ सोनिया बग्गा उपस्थित रहे।

कार्यालयों का दायित्व वे राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा दें

▶ व्हीकल फैक्ट्री में नगर राजभाषा समिति की छमाही बैठक आयोजित

नवभारत, जबलपुर। व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (क्रमांक 3) की प्रथम छमाही बैठक आयोजित की गई। समिति की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक, व्हीएफजे प्रवीण कुमार ने की। बैठक में जबलपुर के 31 केंद्रीय कार्यालयों के विभागाध्यक्ष और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सचिव श्वेता जोहरी गुप्ता ने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। अनुभाग प्रमुख राजभाषा रमा दीक्षित ने तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर हिंदी में कार्य को बढ़ावा देने का आह्वान किया। सीक्यूए, ओएफवी के नियंत्रक एस. पी. डेकाटे और आयुध निर्माणी खमरिया के जयप्रकाश सिंह ने भी हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को लेकर सुझाव साझा किए। अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने का आह्वान किया और कहा कि 'क' क्षेत्र के कार्यालयों का दायित्व है कि वे राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दें।

बैठक का संचालन मोहन कुमार साहू ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शैलेंद्र सिंह ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ। इस अवसर पर सुबी सैमुअल, गोलू झरिया, अजय अवस्थी, अजय कश्यप, प्रशांत अहिरवार आदि उपस्थित थे।

दयानंद बोधोत्सव पर पंचकुंडीय ऋग्वेद यज्ञ 12 से

नवभारत,जबलपुर। दयानंद सरस्वती के बोधोत्सव और महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में 12 से 15 फरवरी तक पंच कुंडीय ऋग्वेद यज्ञ आर्य समाज गोरखपुर द्वारा आयोजित किया जा रहा है। प्रतिदिन प्रातः 7.45 से 9.30 बजे तक होने वाले यज्ञ के ब्रह्मा पुरोहित सतेंद्र शास्त्री होंगे और प्रवचनों हेतु वैदिक प्रवक्ता आचार्य हरि प्रसाद का हैदराबाद से आगमन हो रहा है। 12 फरवरी कोदयानंद जन्मोत्सव के रुप में आर्य समाज दयानंद भवन में तथा 13 और 14 फरवरी को शिव शक्ति दुर्गा मंदिर टैगोर नगर गौरीघाट रोड में रखे गए हैं। समस्त कार्यक्रमों का समापन आर्य समाज गोरखपुर के भवन में महाशिवरात्रि के दिन होगा उपस्थिति का आग्रह राजेंद्र पटेल, गणेश नेमा, वेद अमृत गारी, सुनीता हांडा, कुसुम जिंदल, सुनीता मुखी आदि ने किया है।

शिव महापुराण में बेलपत्र और रूद्राक्ष महिमा का मिला ज्ञान

नवभारत,जबलपुर। शिवनगर, गुलौआ चौक स्थित श्री शिव महापुराण कथा में दूसरे दिन मंगलवार को भक्तों ने बेलपत्र और रूद्राक्ष के महत्व और उनके आध्यात्मिक लाभों के बारे में पावन ज्ञान प्राप्त किया। अवधेश गिरि महाराज ने अपने पावन श्रीमुख से कथा में बताया कि कैसे प्रत्येक वस्तु और पूजा विधि शिवभक्तों के जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक समृद्धि लाती है। कथा के दौरान भक्तजन ध्यानमग्न होकर मंत्र जाप और भजन-कीर्तन में सहभागी बने। इस अवसर पर आयोजक विजय सिंह, विक्रांत सिंह (मन्ना) और अमन सिंह (राज) ने भी भक्तों का स्वागत किया। आयोजकों ने बताया कि कथा का आयोजन 9 फरवरी से 15 फरवरी तक किया जा रहा है। प्रतिदिन कथा दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक होगी, जबकि रूद्राभिषेक एवं संस्कृत पारायण प्रतिदिन प्रात: 8 बजे आयोजित किए जा रहे हैं। आयोजकों ने श्री शिव महापुराण कथा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति किया गया जागरूक

नवभारत,जबलपुर। हवाबाग महाविद्यालय, में छात्र कल्याण समिति के तत्वावधान में वायु प्रदूषण एवं स्वच्छता अभियान विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नगर निगम, जबलपुर के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य संबंधी लघु फिल्म, प्रस्तुतिकरण द्वारा जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छ भारत मिशन एवं पर्यावरण संरक्षण को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। नगर निगम से पी.आर. पल्लवी दुबे द्वारा भी स्वच्छता एवं प्रदूषण नियंत्रण पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। वहीं महाविद्यालय प्रबंधक छाया सिलास, प्राचार्य डॉ. शहवार सैयद के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक सोनी एवं छात्र कल्याण समिति अध्यक्ष डॉ. कंचन सहगल, एवं समिति के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

27 कृतियों का विमोचन 14 को

नवभारत,जबलपुर। कला, साहित्य, संस्कृति, को समर्पित पाथेय संस्था के तत्वावधान में अंबर स्वामी अनंत की तीन कृतियां,वंदना सोनी विनम्र की 12 एवं विजय बेशर्म की 12 इस तरह 27 कृतियों का विमोचन शनिवार 14 फरवरी को अपरान्ह 2:30 बजे से होटल समदड़िया इन रसल चौक में आयोजित है। महाकवि आचार्य भगवत दुबे एवं महामहोपाध्याय डॉ. हरिशंकर दुबे के सानिध्य में समारोह के मुख्य अतिथि दर्शन सिंह चौधरी सांसद नर्मदा पुरम होंगे। अध्यक्षता श्री कुशलेन्द्र श्रीवास्तव गाडरवारा करेंगे। सारस्वत अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक साहित्यकार डॉ. पी. एस. बिंद्रा भोपाल एवं डॉ. अरुण कुमार तिवारी प्राचार्य नवोदय विद्यालय होंगे। समारोह की संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि अवसर वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप सिंह प्रयागराज, सुरेश सोनी, हरीश कुमार कोरी गाडरवारा, अर्चना द्विवेदी गुदालू को उनकी बहुआयामी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा।

समूह नृत्य और नाटक से विद्यार्थियों ने मोह लिया दर्शकों का मन

▶ हर्षोल्लास के साथ मनाया सरस्वती शिशु मंदिर में वार्षिक उत्सव

नवभारत,जबलपुर। सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय, गलगला में वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और वंदना से किया गया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, लोकनृत्य, एकांकी, समूह नृत्य और नाटक के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। छोटे बच्चों की प्रस्तुतियों को अभिभावकों ने विशेष सराहा। मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, अनुशासन और संस्कारों का विकास होता है। विशिष्ट अतिथि विशाल दत्त ने हर वर्ष 11,000 रुपए देने की घोषणा की। अन्य अतिथियों में मिताली बैनर्जी, अध्यक्ष जिनेंद्र जेन, सचिव डॉ. नीलेश पांडे, उपाध्यक्ष एडवोकेट सचिन अग्रवाल, डॉ. ब्रजेश अरजरिया, संजीव गप्पे और प्रकाश पवार उपस्थित रहे।प्रधानाचार्य रत्ना मिश्रा ने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

निरीक्षण फील्ड पर निकले निगमायुक्त, अधिकारियों को दिए निर्देश

शहर की स्वच्छता में शहरवासियों की सक्रियता जरूरी : निगमायुक्त

नवभारत,जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण की प्रतियोगिता में शहर को अव्वल पायदान पर लाने के लिए नगर निगम ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में मंगलवार को निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सुबह 7 बजे से ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों का सघन निरीक्षण कर सफाई व्यवस्थाओं को देखा और अमले को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए।

निगमायुक्त ने भानतलैया से अपने निरीक्षण की शुरुआत की, जिसके बाद वे सिंधी कैंप, मदार टेकरी, मंडी, बहोराबाग, रद्दी चौकी और करौंदा नाला होते हुए सीधे गोबर गैस प्लांट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने न केवल मुख्य सड़कों बल्कि गलियों की सफाई का भी सूक्ष्मता से अवलोकन किया। इस मौके पर निगमायुक्त ने क्षेत्रीय नागरिकों से भी संवाद किया और स्वच्छता अभियान में सहयोग करने अनुरोध किया।

सार्वजनिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त का मुख्य फोकस सफाई के साथ पब्लिक टॉयलेट्स पर भी रहा। उन्होंने शौचालयों के अंदर और बाहर की स्वच्छता, पानी की उपलब्धता और वहां मौजूद सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस मौके पर निर्देशित किया कि सार्वजनिक शौचालयों की बेहतर स्थिति शहर की स्वच्छता रैंकिंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

▶ लापरवाही बरतने वालों पर होगी कार्यवाही

सड़क किनारे मलबा फेंकने और खुले में कचरा डालने वालों के प्रति निगमायुक्त ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और संभागीय अमले को निर्देशित किया कि सड़क किनारे गंदगी फैलाने वालों पर तत्काल जुर्माने की कार्रवाई की जाए। इस मौके पर अपर आयुक्त, उपायुक्त, स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी के साथ सहायक स्वास्थ्य अधिकारी के साथ संभागीय अधिकारी और मुख्य स्वच्छता निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

समर्थ रामदास स्वामी का निर्वाण दिवस आज

नवभारत, जबलपुर। माघ वद्य नवमी पर आज रामभक्ति, त्याग और हिंदवी स्वराज्य की प्रेरणा देने वाले समर्थ रामदास स्वामी का निर्वाण दिवस श्रद्धा और भावभक्ति के साथ स्मरण किया जा रहा है। महाराष्ट्र के जांब गांव में चैत्र शुद्ध नवमी, इ.स. 1608 को जन्मे समर्थ रामदास स्वामी (पूर्व नाम नारायण) बचपन से ही हनुमान जी और श्रीराम के परम उपासक थे। ठोसर कुल में जन्मे समर्थ, तेईसवीं पीढ़ी में अवतरित हुए—जिसे श्रीराम के अवतार से जोड़ा जाता है। बाल्यावस्था में ही वैराग्य की ओर प्रवृत्त समर्थ ने विवाह मुहूर्त से पूर्व गृहत्याग किया और नाशिक के टाकली, गोदावरी तट पर 12 वर्षों तक कठोर तपस्या की। इसके पश्चात उन्होंने 12 वर्षों तक पैदल भारत भ्रमण कर तत्कालीन सामाजिक-धार्मिक स्थिति का गहन अध्ययन किया। जीवन के उत्तरार्ध में गंगाधर पंत, परम शिष्या वेणा स्वामी और अंततः 3 अप्रैल 1680 (हनुमान जयंती) को छत्रपति शिवाजी महाराज के निधन से समर्थ अत्यंत व्यथित हुए। इसके बाद उन्होंने अपने निर्वाण की तिथि स्वयं निश्चित की—माघ वद्य नवमी। माघ वद्य पंचमी को तंजावर से आई पंचधातु की श्रीराम मूर्ति के दर्शन के पश्चात समर्थ समाधिस्थ हुए। अंतिम क्षणों में उन्होंने तीन बार उच्च स्वर में राम नाम का उद्घोष किया और दोपहर 12:30 बजे परधाम को प्रस्थान किया। निर्वाण के पश्चात सज्जनगढ़ में उनकी स्वयंभू रेतमय समाधि प्रकट हुई। राजा संभाजी महाराज ने वहां मंदिर निर्माण कर श्रीराम मूर्ति की स्थापना करवाई।